नवल छबीली (४४)

जय श्री कृष्ण कमल दल लोचन दुख मोचन मृग लोचनी राधा ।

जय श्री कृष्ण श्याम घन सुन्दर दिव्य छटा तन गौरी राधा ।।

जय श्री कृष्ण रसीलो नागर रसिक रसीली नागरी राधा

जय श्री कृष्ण छबीलो दूलह नवल छबीली दुल्हिन राधा

जय श्री कृष्ण मनोहर मूरित परम मनोहर मूरित राधा

जय श्री कृष्ण सदां सुख सागर सहज सदां सुख सागरी राधा

जय श्री कृष्ण राधिका वल्लभ श्रीश्याम वल्लभ ला.दुली राधा

जय श्री कृष्ण प्रिया मनमोहन प्राण वल्लभ मन मोहनी राधा जय श्री कृष्ण चारु चन्द्रानन

सुधा सदन शिश वदनी राधा

जय श्री कृष्ण प्रेम परिपूर्ण

पूर्ण प्रेम पद्मनी श्री राधा

जय श्री कृष्ण तमाल तरुण छिब

कनक लता छिब छाजत राधा

जय श्री कृष्ण नित्य नवरंगी

नव रंगिति रंग भीनी राधा

जय श्री कृष्ण सुकोमल सीवां

अति सुकुमारी सीमा राधा

जय श्री कृष्ण अमित गुण आगर

अति अदभुत गुण आगरी राधा

जय श्री कृष्ण नित्य नवल किशोरा

नित्य नवेली किशोरी राधा

जय श्री कृष्ण ला.दुलो प्रीतम

प्रीतम प्रिया ला. दुली राधा

जय श्री कृष्ण शिरोमणि सर्वस्व

सर्व शिरोमणि सुन्दिर राधा जय श्री कृष्ण हरे हिर स्वामी श्री हिर प्रिया स्वामिनी राधा